भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर
ICAR RESEARCH COMPLEX FOR EASTERN REGION
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH)
आई.सी.ए.आर. परिसर, पो.- बी.वी. कॉलेज, पटना- **800014** (बिहार) भारत
ICAR Parisar, Post- B.V. College, Patna-800 014 (Bihar), INDIA
दूरभाष सं./Phone No.-0612-2223962 (O), फैक्स/Fax: 0612- 2223956, E-mail: icarrcerpatna.rajbhasha@gmail.com

हिन्दी पखवाड़ा - 2021 का शुभारंभ

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में दिनांक 14.09.2021 को हिंदी दिवस के आयोजन के साथ हिन्दी पखवाड़ा-2021 समारोह का शुभारंभ हुआ । कार्यक्रम की शुरुआत आईसीएआर गीत से हुई, जिसके बाद संस्थान के निदेशक डॉ. उज्ज्वल कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित किया | इस समारोह में संस्थान के विभिन्न प्रभागों/अनुभागों/प्रकोष्ठों/इकाईयों के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे । मंच का संचालन डॉ. कुमारी शुभा ने किया | तत्पश्चात्, डॉ. शिवानी, प्रधान वैज्ञानिक-सह-उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने इस पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी ।

डॉ. आशुतोष कुमार उपाध्याय, प्रभागाध्यक्ष, भूमि एवं जल प्रबंधन ने संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी दिवस के सुअवसर पर बधाई देते हुए राजभाषा के महत्त्व पर चर्चा की | उन्होंने बताया कि संस्थान के सभी वैज्ञानिकों को यह कोशिश करनी चाहिए कि वे जो भी प्रकाशन का कार्य करे, वे यथासंभव हिंदी में हो, ताकि हमारे देश के किसानों को इनका लाभ मिल सके |

डॉ. ए. के. चौधरी, प्रभागाध्यक्ष, फसल अनुसंधान ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया कि हम अपनी राजभाषा हिंदी को हिंदी पखवाड़ा या मास तक ही सीमित न रखें, बल्कि यह हमारा यह दायित्व है कि पूरे वर्ष भर हम ज्यादा से ज्यादा अपने कार्यालयीन कार्यों में इसका प्रयोग करें |

डॉ. कमल शर्मा, प्रभागाध्यक्ष, पशुधन एवं मात्स्यिकी प्रबंधन ने बताया कि हिंदी बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ-साथ विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है | इसमें अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति करना बहुत आसान है | उन्होंने बताया कि कृषि में किये गए अनुसंधान को सरल हिंदी

लेखनीबद्ध कर कृषकों तक पहुंचा कर देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में हमें यथासंभव योगदान करना चाहिए |

श्री पुष्पनायक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी-सह-सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने बताया प्रबंधन में प्रभावशाली संवाद का बहुत अधिक महत्व है, एवं हिंदी समृद्ध भाषा होने के कारण इस क्षेत्र में सक्षम है | उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारे ज्यादा से ज्यादा पत्राचार हिंदी में ही हो |

संस्थान के माननीय निदेशक महोदय-सह-अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति डॉ. उज्ज्वल कुमार ने संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी दिवस के सुअवसर पर बधाई देते हुए कहा कि हमारा संस्थान 'क' क्षेत्र में आता है | यह हमलोगों की अनन्य जिम्मेदारी है कि हम अपने सभी कार्यालयीन कार्य 100% हिंदी में ही करें, ताकि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिए गए लक्ष्य को पूरा कर सकें | उन्होंने सभी वैज्ञानिकों को सरल हिंदी का प्रयोग करते हुए कृषि से संबंधित तकनीकों को संकलित एवं प्रकाशित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया |

इस समारोह में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. तन्मय कुमार कोले एवं डॉ. अनिर्बाण मुखर्जी ने हिंदी गीतों की प्रस्तुति से कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दिल जीत लिया |

कार्यक्रम के अंत में डॉ. शिवानी, प्रधान वैज्ञानिक-सह-उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों; डॉ. तारकेश्वर कुमार, डॉ. रजनी कुमारी, डॉ. कीर्ति सौरभ, डॉ. कुमारी शुभा, श्रीमती प्रभा कुमारी एवं हिंदी अनुवादक-सह-संयोजक श्री उमेश कुमार मिश्र को बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

हिंदी पखवाड़ा-2021 की कुछ झलकियाँ